Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

MD-CT-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

एम.ए. दर्शन, प्रथम सत्र

सांख्य योग-2

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोटः यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3 x15 =45)**

1. पूर्वापर प्रसंगों का उल्लेख करते हुये प्रकृति की प्रवृत्ति का प्रयोजन निरूपण करें।
2. सांख्य दर्शनानुसार महदादि पदार्थों के स्वरूप और उनके कार्यों की व्याख्या करें।
3. अविधा और अस्मिता के स्वरूप का वर्णन योगसूत्र एवं व्यासभाष्य के अनुसार करें।
4. महर्षि पतञ्जलि के अनुसार द्रष्टा और दृश्य के संदर्भ में भाष्यानुकुल निबन्ध प्रस्तुत करें।
5. योगदर्शन के अनुसार सार्वभौम महाव्रत का स्वरूप पालन विधि और फलों का निरूप्ण करते हुये व्याख्या करें।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5 x5 =25)**

6. तुष्टि कितने प्रकार के हैं, संक्षिप्त व्याख्या करें।
7. सांख्यकारिका ग्रन्थ के प्रथम कारिका का उल्लेखपूर्वक व्याख्या करें।
8. योगदर्शन में प्रतिपादित यमों के अर्थ और भाष्य स्वारस्य का वर्णन करें।
9. योगदर्शनानुसार क्रियायोग के स्वरूप का वर्णन करें।
10. विवेक ख्याति को परिभाषित करते हुये सात प्रकार के उत्कृष्ट प्रज्ञा का वर्णन व्यासभाष्यानुसार करें।
11. पातञ्जल योग के अनुसार प्राणायाम के स्वरूप और प्रभेदों का संक्षिप्त विवरण प्रदान करें।
12. महर्षि कपिल के अनुसार बुद्धि और अहंकार का स्वरूप प्रतिपादन करें।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-CT-202

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

M.A. Darshan with Yoga, Semester: 2nd

दर्शन, प्रश्न-पत्र : द्वितीय

न्याय-वैशेषिक-2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. न्यायदर्शन के शब्दानित्यत्ववाद का निरूपण करें।
2. प्रत्यक्षादि प्रमाणों की त्रैकाल्यासिद्धि को न्याय सूत्रकार के अनुसार परिहार करें।
3. वैशेषिक दर्शनानुसार आत्मा के साधक लिङ्गों का प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।
4. न्यायदर्शनानुसार वेद की प्रामाणिकता पर पूर्वपक्षपरिहारपूर्वक प्रकाश डालें।
5. वैशेषिक दर्शनानुसार प्रत्यक्ष, अनुमान व आगम तीनों प्रमाणों के आधार पर आत्मा के अस्तित्व तथा उसके द्रव्यत्व, नित्यत्व एवं नानात्व की सिद्धि करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. महर्षि गौतम के अनुसार शब्द-शक्ति पर प्रकाश डालें।
7. वैशेषिक दर्शन में वर्णित सद्हेतु एवं असद्हेतु के लक्षण एवं प्रकारों का वर्णन करें।
8. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुसार शब्द शक्तिग्रह के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख करें।
9. वैशेषिक दर्शन में कथित शब्द अनित्यत्व के विभिन्न हेतुओं का उल्लेख करें।
10. वर्णों के विकार व आदेश के संदर्भ में न्याय मत का वर्णन करें।
11. "न कर्मकर्तृसाधनवैगुण्यात्" सूत्र की सप्रसंङ्ग व्याख्या करें।
12. न्याय के "संशयपरीक्षाप्रकरण" पर प्रकाश डालें।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-CT-203

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

M.A. Darshan with Yoga, Semester: 2nd

दर्शन, प्रश्न-पत्र : तृतीय

वेदान्त मीमांसा-2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. मन व इन्द्रिय सहित भूतों की उत्पत्ति एवं लय को स्पष्ट करें।
2. स्मृत्यनवकाश दोष का समाधान करते हुए जगत कारण को स्पष्ट कीजिए।
3. ईश्वर साकर है या नहीं? सप्रमाण विचार करें।
4. असत्कारणवाद को खण्डन करते हुए 'असद्वा इदमग्र आसीत्' इस वाक्य की व्याख्या कीजिए।
5. जीवात्मा अणु या विभु है? सप्रमाण चर्चा करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. वेद पुरुष निर्मित है इस वाद का खण्डन करें।
7. जीवात्मा नित्य या अनित्य है? स्पष्ट करें।
8. 'वैषम्यनैर्घृण्ये न सापेक्षत्त्वात्तथा हि दर्शयति' - सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
9. मीमांसा दर्शन के अनुसार वेद विभाग पर प्रकाश डालिए।
10. कर्मकर्ता जीव है या ईश्वर है?
11. विधि को भेद सहित संक्षिप्त रूप में समझाइए।
12. धर्म लक्षण को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-CT-204

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

M.A. Darshan with Yoga, Semester: 2nd

दर्शन, प्रश्न–पत्र : चतुर्थ

वैदिकेतर दर्शन–2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. प्लेटो के विज्ञानवाद सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।
2. मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ की दार्शनिक व्याख्या कीजिए।
3. चिदगुणवाद की विवेचना कीजिए।
4. स्पिनोजा के द्रव्य की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।
5. बुद्धि प्रकृति का निर्माण करती है, कांट द्वारा दिये गये इस मत की व्याख्या कीजिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. हीगल के इन्द्वात्मक सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।
7. सुकरात के सद्गुण सम्बन्धित विचार बताइये।
8. अरस्तु के द्रव्य एवं स्वरूप की अवधारणा पर टिप्पणी कीजिए।
9. ह्यूम के संशयवाद की व्याख्या कीजिए।
10. पूर्वस्थापित सामञ्जस्य की व्याख्या कीजिए।
11. लॉक के अनुसार द्रव्य के प्राथमिक एवं गौण गुणों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
12. Esse est Percipi अर्थात् जो दिखता है उसी की सत्ता है– इस मत की विवेचना कीजिए।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-SEC01-205

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

M.A. Darshan with Yoga, Semester: 2nd

योग, प्रश्न-पत्र : पंचम्

योग विज्ञान

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. खड़े होकर किये जाने वाले किन्हीं पांच आसनों का विधि एवं लाभ सहित वर्णन करें।
2. बाह्य एवं आभ्यन्तर प्राणायामों का कुम्भक सहित व लाभपूर्वक वर्णन करें।
3. षट्कर्म का प्रमाणपूर्वक निरूपण करें।
4. कमरदर्द में लाभदायक आसनों का विधिपूर्वक उल्लेख करें।
5. योग के वैयक्तिक सामाजिक व वैश्विक महत्वों पर प्रकाश डालें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. योगशास्त्रों में वर्णित विभिन्न मुद्राओं का उल्लेख करें।
7. नेति के विभिन्न प्रकारों एवं लाभों का वर्णन करें।
8. शंख-प्रक्षालन की विधि को लाभ सहित वर्णन करें।
9. स्वस्थ्य व्यक्ति की दिनचर्या पर प्रकाश डालें।
10. योग के इतिहास एवं प्रकार का उल्लेख करें।
11. अष्टांग योग पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
12. निम्न आसनों में से किन्हीं तीन आसनों का विधि व लाभ का वर्णन करें-

(क) गोमुखासन (ख) वक्रासन (ग) वृक्षासन (घ) मकरासन (ङ) चक्रासन।

----------X----------